सूर्योदय सुबह 5.21
सूर्यास्त शाम 7.03
30.4° temperature 24.0°
शुक्रवार | 12.07.2019
आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी, विक्रम संवत 2076
lucknow.amarujala.com
लखनऊ

जनसंख्या पर नियंत्रण नहीं तो विस्फोटक होंगे हालात

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। नसबंदी, कंडोम के अलावा भी बाजार में ऐसे कई जेल, क्रीम व दवाइयां उपलब्ध हैं, जिन्हें प्रयोग करने से जनसंख्या नियंत्रित की जा सकती है। इनका प्रयोग माहवारी के दौरान भी किया जा सकता है। यह जानकारी विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ पैरा मेडिकल साइंसेज द्वारा 'मॉडर्न मैथड्स ऑफ कॉन्ट्रासेप्शन' विषय पर हुई कार्यशाला में डॉ. अनीता सिंह ने दी।

डॉ. अनीता सिंह ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण करने में आज के समय में विभिन्न प्रकार की नवीन तकनीक उपलब्ध हैं। पति-पत्नी को आपसी बातचीत कर इनके बारे में सोचना होगा और इन्हें अपनाना होगा। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन की विभिन्न विधियां, जिनमें की स्थायी (महिला व पुरुष नसबंदी) एवं अस्थाई विधियां (माला-डी, माला-एन, कॉपर-टी, निरोध) हैं। इंस्टीट्यूट के डीन डॉ. विनोद जैन ने कहा कि आज के समाज में हर क्षेत्र में महिलाओं एवं पुरुषों की समान भागीदारी है तो परिवार नियोजन के क्षेत्र में भी पुरुषों एवं महिलाओं की बराबर की भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक एक हजार नसबंदी में से सिर्फ 13 नसबंदी ही पुरुषों द्वारा कराई जाती हैं जोकि 1.3 प्रतिशत है। जबकि महिला नसबंदी का प्रतिशत 98.7 है। उधर, पूर्वोत्तर रेलवे के मंडलीय रेलवे चिकित्सालय बादशाह नगर में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में जागरूकता कार्यक्रम हुआ, जिसमें 75 कर्मचारियों एवं रोगियों के परिजनों ने भाग लिया।

200 साल में ही 7 अरब हो गई आबादी

जनसंख्या दिवस के मौके पर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइसेंस के डीजी भरतराज सिंह ने कहाकि दुनिया की आबादी को एक अरब होने में 2 लाख साल लगे जबकि 200 साल में ही यह 7 अरब पहुंच गई है।